100 साल बाद भी मजबूत रहने की तैयारी

बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच एलआईसी ने बनाया दीर्घकालिक विस्तार का रोडमैप

नई दिल्ली, 14 जून देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बदलते वित्तीय परिदृश्य और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने की रणनीति तैयार की है.

एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा है कि कंपनी केवल वर्तमान नेतृत्व बनाए रखने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि आने वाले दशकों में भी बीमा क्षेत्र की सबसे मजबूत और भरोसेमंद संस्था बने रहने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है. उन्होंने भरोसा जताया कि एलआईसी 75वें वर्ष, 100वें वर्ष और उसके बाद भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी.

दुरईस्वामी ने कहा कि एलआईसी की विकास यात्रा भारत की आर्थिक प्रगति से गहराई से जुड़ी हुई है. वर्ष 1956 में स्थापना के बाद से कंपनी ने न केवल बीमा क्षेत्र के विस्तार में योगदान दिया है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की विभिन्न परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है, एलआईसी भी विकास के नए आयाम हासिल करती है और उसकी वृद्धि देश की आर्थिक मजबूती को भी गति देती है.

वर्तमान में एलआईसी जीवन बीमा क्षेत्र में लगभग 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है. कंपनी 57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रही है, जो इसे भारत ही नहीं बल्कि एशिया की सबसे बड़ी वित्तीय संस्थाओं में शामिल करता है. इसके अलावा कंपनी की रियल एस्टेट परिसंपत्तियों का मूल्य भी लगभग 60 हजार करोड़ रुपये आंका गया है.

> एलआईसी प्रमुख ने कहा कि बीमा क्षेत्र में लगातार नए खिलाड़ियों के आने से प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, लेकिन कंपनी इसे चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देख रही है. उनका कहना है कि एलआईसी का उद्देश्य केवल बाजार में शीर्ष स्थान बनाए रखना नहीं है, बल्कि प्रतिस्पर्धियों से पर्याप्त बढ़त कायम रखते हुए अपनी सेवाओं और उत्पादों को और बेहतर बनाना है. इसके लिए कंपनी ग्राहक सेवा, तकनीक और नवाचार पर विशेष ध्यान दे रही है. डिजिटल क्षेत्र में विस्तार को लेकर भी एलआईसी नई संभावनाएं तलाश रही है.

चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट

नयी दिल्ली, 14 जून. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव घट गया. चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही. चीनी और खाद्य तेलों में तेजी देखी गयी जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा.

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 20 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 3,831 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी. गेहूं 22 रुपये सस्ता हुआ और 2,771 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया. आटे का भाव 12 रुपये टूटकर 3,270 रुपये प्रति क्विंटल हो गया. सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 34 रुपये और चना दाल की नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. वहीं, मूंग दाल 36 रुपये और तुअर दाल 35 रुपये सस्ती हुई. मसूर दाल में सात रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही.

पेट्रोल पर निर्भरता घटाने की दिशा में बड़ा कदम

केंद्र सरकार की 100% इथेनॉल को वाहन ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने की मंजूरी

इस पहल से पेट्रोल पर निर्भरता, प्रदूषण और ईंधन आयात बिल कम होने की उम्मीद है

नयी दिल्ली, 14 जून. देश में स्वच्छ और सस्ते वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि सरकार ने 100 प्रतिशत इथेनॉल को वाहन ईंधन के रूप में उपयोग करने की मंजूरी दे दी है.

इस फैसले के साथ भारत में बायोफ्यूल आधारित परिवहन व्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है. सरकार का मानना है कि इससे पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण में कमी आएगी और देश के आयात बिल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. नागपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गडकरी ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक नियमों और मानकों को अंतिम रूप दिया जा चुका है. उन्होंने कहा कि मंजूरी से जुड़ी फाइल पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और अब उद्योग जगत को इसके अनुरूप वाहन बाजार में उतारने का रास्ता साफ हो गया है. उनके अनुसार कई प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियां पहले से ही इथेनॉल आधारित वाहनों पर काम कर रही हैं.

> सरकार का कहना है कि इथेनॉल पेट्रोल की तुलना में अधिक किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है. भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है, जिससे हर वर्ष भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है. इथेनॉल के व्यापक उपयोग से इस खर्च को कम करने में मदद मिल सकती है. साथ ही, देश में उत्पादित कृषि आधारित कच्चे माल से ईंधन तैयार होने के कारण किसानों को भी लाभ मिलने की संभावना है.

वैश्विक कारकों और घरेलू आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, 14 जून बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर ईरान शांति वार्ता और विभिन्न वृहत आर्थिक संकेतकों पर होगी

ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता की उम्मीद में गत शुक्रवार को हुई जबरदस्त लिवाली से पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में साप्ताहिक तेजी देखी गयी. आने वाले सप्ताह में भी शांति वार्ता की प्रगति सबसे प्रमुख कारक होगा

घरेलू स्तर पर महंगाई और आयात-निर्यात के आंकड़ों के साथ मानसून की प्रगति का असर बाजार पर दिखेगा.

खुदरा महंगाई के आंकड़े शुक्रवार शाम जारी हुए हैं जबकि थोक महंगाई के आंकड़े सोमवार दोपहर जारी होने हैं. अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक 16 और 17 जून को होनी है. फेड का बयान भी शेयर बाजार को प्रभावित करेगा. गत सप्ताह सोमवार और गुरुवार को छोड़कर शेष तीन दिन बाजार में तेजी रही.

विशेषकर, शुक्रवार को प्रमुख सूचकांक दो प्रतिशत चढ़ गये. बीएसई का सेंसेक्स 1,284.61 अंक (1.73 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 75,527.95 अंक पर बंद हुआ.

जल्द चलेगी बीकानेर – साबरमती नई ट्रेन सेवा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, 14 जून. गुजरात और राजस्थान के लोगों को जल्द ही एक नई रेल सेवा का उपहार मिलने जा रहा है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शीघ्र ही अमदावाद(साबरमती)-बीकानेर (लालगढ़) एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे. यह नई रेल सेवा गुजरात के अमदावाद और राजस्थान के बीकानेर के बीच सीधा, तेज और सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी.

यह नई एक्सप्रेस ट्रेन पश्चिम भारत के दो प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगी. अब गुजरात के प्रसिद्ध साबरमती रिवरफ्रंट, मोढेरा सूर्य मंदिर, पाटन की रानी की वाव और अमदावाद की समृद्ध विरासत का आनंद लेना हो या फिर राजस्थान के भव्य जूनागढ़ किला, करणी माता मंदिर, लालगढ़ पैलेस तथा बीकानेर की समृद्ध संस्कृति और मरुस्थलीय पर्यटन का अनुभव करना हो, यह नई एक्सप्रेस यात्रियों को सुविधाजनक और सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी.

नई ट्रेन गुजरात के अमदावाद, महेसाणा, पाटन और बनासकांठा जिलों तथा राजस्थान के जालौर, बालोतरा, जोधपुर, नागौर और बीकानेर जिलों को लाभ पहुंचाएगी. ट्रेन के प्रमुख ठहराव साबरमती, महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धानेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालौर, मोकलसर, समदड़ी, लूणी, जोधपुर, गोटन, मेड़ता रोड, नागौर, नोखा, बीकानेर और लालगढ़ होंगे.

> हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान के लोगों को अनेक महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं और सेवाओं का उपहार दिया है. कुछ दिन पहले ही उन्होंने जोधपुर से विभिन्न रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा जैसलमेर में कोच केयर कॉम्पलेक्स का शुभारम्भ किया. इस अवसर पर जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस को 20 कोचों के साथ संचालित करने की सौगात दी गई, वहीं साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस का विस्तार जैसलमेर तक किया गया. साथ ही जालोर से मंत्री जी द्वारा भुज-जालोर-पाली-दिल्ली नई रेल सेवा को भी हरी झंडी दिखाई गई, जिससे जालोर,पाली और आसपास के क्षेत्रों को पहली बार दिल्ली और भुज से सीधा रेल संपर्क प्राप्त हुआ.

ग्लोबल पेटेंट रैंकिंग में चमकी जियो

मुंबई, 14 जून जियो प्लेटफॉर्म्स ने वैश्विक तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है. वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूआईपीओ) की पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी (पीसीटी) रैंकिंग 2025 में जियो प्लेटफॉर्म्स 320 पायदान की छलांग लगाकर 20वें स्थान पर पहुंच गई है. इसके साथ ही जियो ग्लोबल टॉप-20 में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय टेक कंपनी बन गई है.

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेक्नोलॉजी इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स अब दुनिया की प्रमुख टेक कंपनियों जैसे हुआवेई, सैमसंग, क्वालकॉम, एलजी, पैनासोनिक, नोकिया, गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट की श्रेणी में शामिल हो गई है.

कंपनी की पेटेंट फाइलिंग 5जी, 5जी एडवांस्ड, 6जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), एआई-नेटिव नेटवर्क, क्लाउड-नेटिव प्लेटफॉर्म, इंटेलिजेंट ऑटोमेशन, एज इंटेलिजेंस, नेटवर्क स्लाइसिंग और डिजिटल सेवा अवसंरचना जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों पर केंद्रित है.

इस उपलब्धि पर जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश एम. अंबानी ने कहा कि डब्ल्यूआईपीओ पीसीटी रैंकिंग में ग्लोबल टॉप-20 में पहुंचना जियो की वर्षों की रिसर्च और नवाचार का परिणाम है. उन्होंने इस सफलता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन को समर्पित बताते हुए कहा कि जियो भारत को वैश्विक डीप-टेक शक्ति बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है.

> 31 मार्च 2026 तक जियो प्लेटफॉर्म्स ने कुल 6,817 पेटेंट फाइल किए हैं. इनमें 2,393 पेटेंट भारत में और 4,424 पेटेंट विदेशों में दायर किए गए हैं. कंपनी के 1,009 पेटेंट को अब तक वैश्विक स्तर पर मंजूरी मिल चुकी है, जिनमें 538 भारत और 471 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्वीकृत हुए हैं. कंपनी फिलहाल 5जी/6जी रेडियो, 5जी/6जी कोर नेटवर्क, सैटेलाइट संचार और जियोब्रेन जैसी उभरती तकनीकों पर काम कर रही है. जियो की यह उपलब्धि भारत के तकनीकी क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी मजबूत होती स्थिति का संकेत मानी जा रही है.

एफपीआई ने जून में बेची 62,853 करोड़ रुपये की इक्विटी

मुंबई, 14 जून विदेशी पोर्टफोलिया निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक भारतीय पूंजी बाजार से 43,955 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है जिसमें अकेले इक्विटी में उनका निवेश 62.8 हजार करोड़ रुपये कम हुआ है. केंद्रीय डिपॉजटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून के पहले दो सप्ताह में इक्विटी में 62,853 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है.

शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाये गये पैसे और निकाले गये पैसे का अंतर है.

इक्विटी के अलावा म्यूचुअल फंड में भी एफपीआई निवेश 35 करोड़ रुपये कम हुआ है. हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई ने 27 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की.

डेट में इस महीने अबतक एफपीआई ने पैसा लगाया है. इसमें उन्होंने शुद्ध रूप से 18,960 करोड़ रुपये की लिवाली की है.

> यह लगातार चौथा महीना है जब भारतीय पूंजी बाजार में एफपीआई बिकवाल हैं. इससे पहले मई में उन्होंने 29.919 करोड़ रुपये, अप्रैल में 70,786 करोड़ रुपये और मार्च में 1,26,991 करोड़ रुपये की निकासी की थी इस साल जनवरी से अबतक एफपीआई बाजार में 2,62,875 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं. इसमें इक्विटी और म्यूचुअल फंड से उन्होंने शुद्ध निकासी की है जबकि डेट में उन्होंने पैसा लगाया है. मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अकेले इक्विटी से एफपीआई 2,87,785 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं.

आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा विजेता

नयी दिल्ली, 14 जून. शेयर बाजार में बीते सप्ताह बैंकिंग शेयरों की शानदार तेजी ने निवेशकों को बड़ी कमाई कराई. आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा और उसके बाजार पूंजीकरण में करीब रु. 56 हजार करोड़ की बढ़ोतरी हुई.

बैंकिंग सेक्टर में सकारात्मक माहौल के बीच एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयरों में भी मजबूती देखने को मिली.

बाजार में आई तेजी का असर देश की शीर्ष कंपनियों के बाजार मूल्य पर भी दिखाई दिया. रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 10 कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में करीब 1.9 लाख करोड़ का इजाफा हुआ. बैंकिंग शेयरों में बढ़ती खरीदारी, मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों के भरोसे ने इस तेजी को समर्थन दिया. विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकिंग क्षेत्र की बेहतर संभावनाओं के चलते आने वाले समय में भी इस सेक्टर पर निवेशकों की नजर बनी रह सकती है.

समाचार विशेष

नथवानी को भाजपा ने क्यों दिया समर्थन?

रांची. झारखंड में राज्यसभा सीट को लेकर जारी सियासी जंग में जेएमएम जहां फीलगुड में है, वहीं कांग्रेस की चिंता थोड़ी बढ़ी हुई है. इसका कारण है निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी. जिन्हें बीजेपी का समर्थन है. हालांकि, कांग्रेस और जेएमएम के नेताओं का कहना है कि उनके पास पर्याप्त आंकड़े हैं. इसलिए उनके दोनों प्रत्याशियों की जीत पक्की है.

गौरतलब है कि झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव हो रहा है. जिसमें जेएमएम प्रत्याशी की जीत पक्की मानी जा रही है. वहीं कांग्रेस की नजर महागठबंधन के मुखिया हेमंत सोरेन पर टिकी हुई है. कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ उसके प्रत्याशी प्रणव झा भी समझ रहें हैं कि थोड़ी सी चूक इस चुनाव में उन्हें जीत से दूर कर देगी. यही वजह है कि पार्टी ने प्रदेश स्तरीय नेता यहां तक कि प्रभारी को भी किनारे कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अच्छे संबंध रखने वाले छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पर्यवेक्षक के रूप में झारखंड भेजा है. ताकि प्रणव झा की जीत सुनिश्चित की जा सके.

इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नामांकन के बाद महागठबंधन के दोनों प्रत्याशी के जीत के प्रति फुल कॉन्फिडेंस में दिखे. मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने साफ तौर कहा कि वह बोलने पर कम, काम करने पर ज्यादा विश्वास करते हैं. सीएम के इस बयान से कांग्रेस नेता अपने प्रत्याशी की जीत को लेकर उम्मीद लगाए हुए हैं. पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय कहते हैं कि महागठबंधन के पास पर्याप्त वोट है और दोनों उम्मीदवारों की जीत होगी. इसी तरह पूर्व मंत्री आलमगीर आलम भी जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त दिखे.

> **झारखंड की दो सीटों के लिए चुनाव**
>
> राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में सुगबुगाहट तेज है. झारखंड में दो सीटों के लिए चुनाव हो रहा है. आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ जेएमएम, कांग्रेस, राजद के पास 56 विधायकों का मत है. जिसमें जेएमएम के पास 34, कांग्रेस के पास 16 और राजद के 4 विधायक और भाकपा माले के 2 विधायक है. झामुमो और कांग्रेस के दोनों प्रत्याशियों को जीत के लिए 28-28 वोट चाहिए. जो इनक पास मौजूद हैं. वहीं विपक्षी खेमे में 24 विधायकों का समर्थन है, जिसमें भाजपा के 21, आजसू, लोजपा और जदयू का एक-एक विधायक शामिल हैं.

फिर टूटेगी उद्धव की शिवसेना?

ऑपरेशन टाइगर से बढ़ीं ठाकरे की धड़कनें

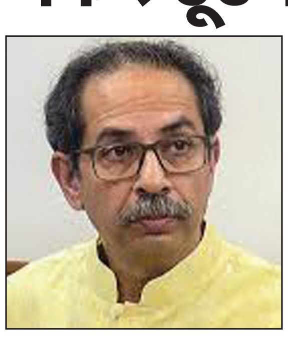

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़े उलटफेर की आहट सुनाई दे रही है. राज्य के राजनीतिक गलियारों में इस समय ऑपरेशन टाइगर को लेकर जबरदस्त चर्चाएं गर्म हैं.

खबर है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, उद्धव ठाकरे गुट के बचे हुए सांसदों में सेंध लगाने की पुरजोर कोशिश कर रही है. इस सनसनीखेज घटनाक्रम के बीच, उद्धव ठाकरे सांसदों को लेकर सतर्क हो गए हैं.

क्या है ऑपरेशन टाइगर का पूरा सच?- पिछले कुछ दिनों से राज्य में ऑपरेशन टाइगर शब्द की गूंज सुनाई दे रही है. राजनीतिक हलकों में यह दावा किया जा रहा है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना, ठाकरे गुट के सांसदों को अपनी ओर खींचने की रणनीति पर काम कर रही है. शिंदे गुट के नेताओं का दावा है कि उद्धव गुट के कई सांसद उनके संपर्क में हैं और जल्द ही बड़ा राजनीतिक विस्फोट हो सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में हुई एक हालिया बैठक में उद्धव गुट के 9 में से 7 सांसदों की उपस्थिति होने का दावा भी किया जा रहा है, जिसने राजनीतिक सरगर्मी को चरम पर पहुँचा दिया है.

इन सांसदों पर टिकी हैं सबकी निगाहें- ऑपरेशन टाइगर की इस चर्चा में सबसे ज्यादा चर्चा परभणी के सांसद संजय उर्फ बंडू जाधव की हो रही है. खबरें हैं कि जाधव पिछले कुछ समय से एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं और वे ठाकरे गुट की पिछली कुछ महत्वपूर्ण बैठकों से भी नदारद रहे हैं. इसी को देखते हुए ठाकरे गुट ने परभणी जिला संगठन में कुछ बड़े बदलाव भी किए हैं.

> हिंगोली के सांसद नागेश पाटील आष्टीकर ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की थी. नासिक के सांसद राजाभाऊ वाजे ने सांसद श्रीकांत शिंदे से भेंट की. शिर्डी के सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे को उद्योग मंत्री उदय सामंत के साथ देखा गया. हालांकि, इन सभी सांसदों ने इन मुलाकातों को केवल अपने क्षेत्र के विकास कार्यों और फंड के संदर्भ में बताया है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे बड़ी रणनीतिक चाल मान रहे हैं.

कांग्रेस की कलह आई सामने

पटना. बिहार कांग्रेस के भीतर की अंदरूनी गुटबाजी और नाराजगी एक बार फिर सरेआम उजागर हो गई है. मामला कटिहार के ऐतिहासिक राजेन्द्र आश्रम का है, जहां कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कार्यकर्ताओं के साथ जनसंवाद करने पहुंचे थे.

शुरुआत में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन यह शांति ज्यादा देर नहीं टिकी. जैसे ही जनसंवाद के दौरान मंच से शकील अहमद खान ने माइक अपने हाथ में लिया, कार्यकर्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया. कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने शकील अहमद खान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी शुरू कर दी. देखते ही देखते पूरा कार्यक्रम स्थल रणक्षेत्र में तब्दील हो गया और जमकर हंगामा हुआ. शीर्ष नेतृत्व के सामने ही कार्यकर्ताओं के इस तरह उग्र रूप में आने से पार्टी की आपसी कलह एक बार फिर खुलकर सबके सामने आ गई है. हालांकि राजेश राम ने कहा कि यह कोई हंगामा नहीं है बल्कि मेरे परिवार के लोग हैं और परिवार के लोग अपनी बात किसी भी तरीके से कहते हैं.

विशेष: पीएम मोदी के बधाई पोस्ट में ममता बनर्जी को किया टैग

शत्रुघ्न सिन्हा के पोस्ट से बढ़ी राजनीतिक चर्चा

नई दिल्ली. जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर देशभर से उनके समर्थकों ने उन्हें बधाइयां दी. वहीं दूसरी ओर विरोधी दल टीएमसी के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने भी उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुभकामनाएं दी हैं.

फिल्मों में बेबाक डायलॉगबाजी के लिए मशहूर शत्रुघ्न सिन्हा ने जिस अंदाज में अपना बधाई पोस्ट लिखा वह चर्चा का विषय बन गया है. दरअसल सिन्हा ने अपने इस पोस्ट में यशवंत सिन्हा के साथ- साथ ममता बनर्जी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी टैग किया है.

सुख-समृद्धि और उज्वल भविष्य के लिए की कामना- टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी के स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्वल भविष्य की कामना करते हुए लिखा खेल भावना के साथ, समाज और देश के हमारे मित्र और मार्गदर्शक, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं. यह शायद अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल है. आपके उज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करता हूं. जय हिंद.

विरोधी दलो को किया टैग- शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने पोस्ट में यशवंत सिन्हा, ममता बनर्जी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी टैग किया है जो चर्चा का विषय बन गया है. क्योंकि वह वर्तमान में विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं.

> **2019 में कांग्रेस में हुए थे शामिल**
>
> बताया जा रहा है कि टीएमसी के 19 सांसदों ने काकोली घोष को अपना नेता और एनडीए को समर्थन करने के लिए लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखा है. इन्हीं बागी सांसदों की लिस्ट में आसनसोल लोकसभा सीट से सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का भी नाम शामिल है. हालांकि शत्रुघ्न सिन्हा ने टीएमसी के बागी गुट में शामिल होनें की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है. उन खबरों को खारिज किया है जिसमें एनडीए को समर्थन की बात कही गई है. बता दें कि कभी भाजपा में सक्रिय रहे शत्रुघ्न सिन्हा ने 2019 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामा था.